Regarding BT and Non-BT seeds to farmers

श्री निहाल चन्द चौहान **(**गंगानगर**):** सभापति जी, मैं सदन का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र की तरफ दिलाना चाहूंगा । यहां किसानों को जो कपास का बीज मिलता है, वह बीटी और नॉन बीटी मिलता है । पहले बीटी और नॉन-बीटी कॉटन अलग-अलग था । अब मिक्स कर दिया है, इसकी वजह से किसानों को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है । एक तो पंजाब से कैमिकल युक्त गंदा पानी राजस्थान में आ रहा है, इसके लिए कोई भी व्यवस्था नहीं है । केन्द्र सरकार ने 774 करोड़ रुपये की राशि पंजाब को एसटीपी लगाने के लिए दी थी । किसी भी फैक्ट्री पर अभी तक कोई एसटीपी चालू नहीं हुई है ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह है कि पंजाब में जितनी भी कैमिकल युक्त फैक्ट्रीज़ हैं, शुगर मिल्स हैं, उनमें 774 करोड़ रुपये की एसटीपीज़ लगाकर राजस्थान को शुद्ध पानी दिया जाए, ताकि राजस्थान में पीने और सिंचाई हेतु शुद्ध पानी फसलों और लोगों को मिल सके । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।